रात्रि क्लास 22/11/68:– मीठे–2 बच्चों को सदैव हर्षितमुख रहना चाहिए। विश्व के मालिक बनते हैं। स्वभाव भी दैवी होना चाहिए। मीठे स्वभाव वाले कशिश करते हैं ना। देवताएँ कशिश में कैसे आये? याद की यात्रा से पावन बनते हैं। शक्ति भी मिलती है। बाप को याद कर सदैव हर्षित रहना चाहिए, (तो) फिर कब झगड़ा आदि नहीं होगा। झगड़ा है ऑरफन का। वह धणी को याद नहीं करते हैं। जैसे कि उनका धनी है नहीं। धणी बाप को कहा जाता है। इतने बच्चे हैं बाप के, किसको बाप उल्टा–सुल्टा नहीं कहते। समझते हैं ड्रामा प्लैन अनुसार इनका ऐसा स्वभाव है। झगड़ा जास्ती पुरुषों में होता है या स्त्रियों में? अक्सर पुरुषों में होता है। लड़ाई भी वह करते हैं। जहाँ देखो पुरुष लड़ते हैं। अभी स्त्रियों को भी सिखलाते हैं। लड़ाई का हुनर बहुत करके पुरुषों को सिखलाते हैं। पुरुषों को बलवान, स्त्रियों को निर्बल नारी कहा जाता है। अभी निर्बल नारियों को बाप गुप्त में बलवान बनाते हैं। आत्माओं को समझाते हैं। आत्मा सतोप्रधान बनने से बलवान बनती है विश्व पर राज्य करने लिए।

22/11/68 4

यह बहुत बलवान होंगे। तुम ही सिर्फ हो जो योगबल से विश्व के मालिक बनते हो। बाप बिल्कुल सहज समझाते हैं। जैसे खुद मीठा है, तुमको भी बनाते हैं। बच्चों को भी कहते हैं बहुत मीठे बनो। कब उल्टा–सुल्टा मुख से न बोलो। सदैव हर्षित रहो। बाप को याद करने से विश्व का मालिक बनना है। प्रजा भी विश्व की मालिक होती है। अभी यह नशा भी किसको नहीं है। यह देवताएँ विश्व के मालिक थे, यह भी किसकी बुद्धि में नहीं आता। कोई भी ऋषि–मुनि आदि नहीं जानते। नेती–नेती करते आये हैं। पूछो, क्रियेटर को जानते हो? तो ऐसे कब नहीं कहेंगे क्रियेटर सर्वव्यापी है। क्रियेटर की क्रियेशन ज़रूर रहती है। भगवान के लिए पूछेंगे तो सर्वव्यापी कह देंगे। इसलिए भगवान के लिए न पूछ बोलो क्रियेटर को जानते हो। क्रियेटर है बच्चों का। बाप है सभी आत्माओं का। सभी आत्माओं का क्रियेटर है; परंतु पूछ(ते) हैं बाबा आत्माओं को कब क्रियेट किया? तो बाबा कहेंगे यह अनादि खेल है। कब क्रियेट किया यह नहीं कह सकते। यह क्रियेशन विनाश नहीं होते। बाप के सभी बच्चे हैं ब्रदर्स। वह अनादि हैं। जो करके जाते हैं वह फिर विनाश हो जाते हैं। बाप भी अनादि हैं, बच्चे भी अनादि हैं। बाकी वह सतो, रजो, तमो में आते हैं। बाप तो नहीं आते हैं। बाप की तो महिमा ही महिमा है। लौकिक बाप अपने बच्चों को नूरे रत्न लिखते हैं। बेहद का बाप भी नूरे रत्न लिखते हैं; क्योंकि बच्चे प्यारे लगते हैं; परंतु नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। बच्चे जानते हैं बाप आते हैं तो कोई भी दुखी नहीं रह सकते। वह जाता ही तब है जब सभी के दुःख दूर हो जाते हैं। वह आते ही हैं सभी के दुख दूर करने। मरने का भी दुख होता है ना। शरीर छोड़ते हैं तो भी वह दुख नहीं होता। एक शरीर छोड़ दूसरा छोटा लेते हैं। वहाँ खुशी मनाते हैं। यह ज्ञान रहता है जाकर दूसरा शरीर लिया। मोहजीत राजा की कथा भी है ना। मोहजीत यह है; परंतु कथा झूठी बनाये दी है। इनके राज्य में अकाले मृत्यु होती ही नहीं। रोने की बात ही नहीं उठती। तो यहाँ ही निर्मोही बनना चाहिए। सारी पुरानी दुनिया से मोह हटाना है। यह पुरानी दुनिया दुख की है। बाप नई दुनिया का रास्ता बताते हैं। उसमें सुख ही सुख है। वह है अमरलोक। अभी फिर इसकी स्थापना हो रही है। अमरलोक में तो आवेंगे; परंतु उसमें पद अच्छा पाना चाहिए। बहुतों को रास्ता बतावें, जो वह भी शुक्रिया माने, फलाने ने हमको यह मार्ग बताया। ऊँच ते ऊँच बाबा कहना चाहिए। बाबा अक्षर बहुत मीठा है; क्योंकि बाप से वर्सा मिलता है। एक बाप ब(स)। हद के बाप का हद का वर्सा। बेहद के बाप का बेहद का वर्सा है। यह बातें संगम पर ही होते हैं। कितनी तुम्हारे में समझ है। सारी दुनिया में चेंज आती है। सेकण्ड व सेकण्ड एक्ट न्यारी होती है। यह बेहद का ड्रामा है। हमारा पार्ट है सबसे ऊँच हीरो–हीरोइन का। भारतवासी ही राज्य पाते हैं और भारतवासी ही अपना राज्य गंवाते हैं।

एमऑबजेक्ट देखने से भी खुशी होती है, हम यह बन रहे हैं। इसलिए बाबा ने बैज भी बनवाई है। बहुत मीठा बनना है। कोई भूत न आना चाहिए। देह अभिमान का,

क्रोध की भी भूत हैं, जो दुख दे(ते) आये हैं। यह भूत तो सभी में हैं। इन भूतों को भगाने लिए युक्ति भी बाप ने बताई है मुझे याद करो तो ... वह भागते जावेंगे। क्रोध के साथ देहअभिमान भी ज़रूर है। एकदम झट नहीं निकल सकते हैं। बाप युक्ति बहुत बतलाते हैं भूत कैसे निकल सकते हैं आधा कल्प के लिए। बाबा कहते हैं कोई ... में भी भूत हो तो मेरे पास छोड़कर जाओ। कहते भी हो बाबा आकर पतित से पावन बनाओ। बड़ा भूत है ना। बाप आकर सभी भूतों को निकाल देते हैं। एकदम गुल–2 बनाये देते हैं। बाप दादा मिलकर तुम्हारा श्रृंगार करते हैं। माता–पिता श्रृंगार करते हैं ना। वह हैं हद के। यह हैं बेहद के माता–पिता। अच्छा, रूहानी बच्चों को रूहानी बापदादा की याद प्यार गुडनाइट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

शिवबाबा और विश्व की बादशाही का श्रृंगार याद है?